भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-2242

उत्तर दिनांक 20/03/2025 को दिया गया

भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौता

2242. डा. वी. शिवादासन

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) क्या भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौता, 2008 के फलस्वरूप परमाणु ऊर्जा उत्पादन में कोई उल्लेखनीय प्रगति हुई है;

(ख) यदि हां, तो समझौते के बाद प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और परमाणु ऊर्जा के उत्पादन में मात्रात्मक वृद्धि का ब्यौरा क्या है; और

(ग) आज की तिथि के अनुसार समझौते की स्थिति क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) से (ग) नाभिकीय ऊर्जा में सहयोग के लिए अंतर्राष्ट्रीय समझौते, जो भारत-अमेरिका नाभिकीय समझौते के नाम से प्रसिद्ध है, देश के अंतर्राष्ट्रीय एकाकीकरण को समाप्त करने और नाभिकीय वाणिज्य के लिए वैश्विक बाजारों तक पहुँच बनाने के उद्देश्य से किए गए थे। इससे आईएइए संरक्षोपायों के तहत रिएक्टरों में उपयोग के लिए ईंधन के आयात और नए नाभिकीय ऊर्जा रिएक्टरों की स्थापना की संभावना खुल गई। वर्तमान में, कुल नाभिकीय स्थापित क्षमता 8180 मेगावाट है।

*****